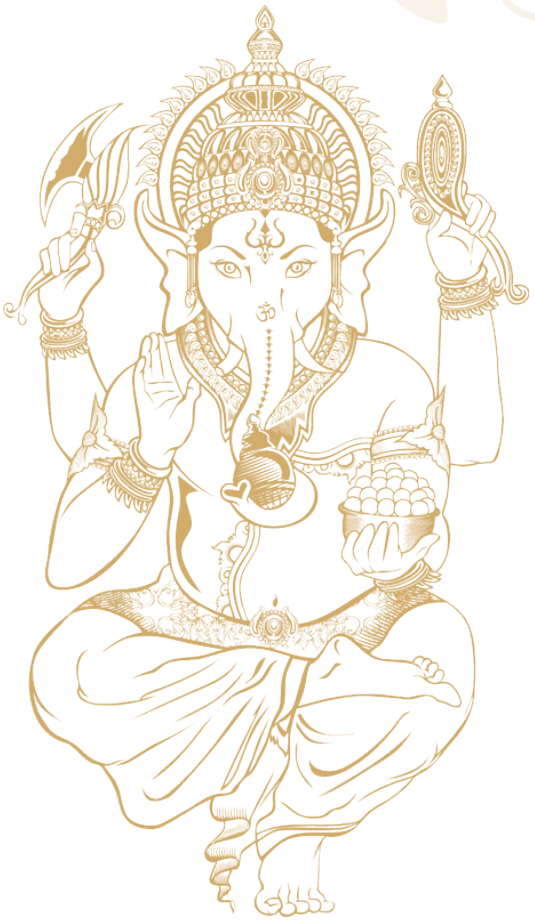

M

F

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121145903

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/07/1999	जन्म तिथि	01/02/2002
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 10:30:00	जन्म समय	10:27:00 घंटे
घटी 12:24:18	जन्म समय(घटी)	07:52:33 घटी
India	देश	India
Nawashahr	स्थान	Nawashahr
31:06:00 उत्तर	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
76:09:00 पूर्व	रेखांश	76:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:24	स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:16	सूर्योदय	07:17:58
19:30:09	सूर्यास्त	18:00:18
23:50:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:55

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 1वर्ष 7मा 1दि	01:36:50	कन्या	लग्न	मीन	23:08:07	सूर्य 2वर्ष 9मा 17दि
सूर्य	29:24:12	मिथु	सूर्य	मक	18:16:02	राहु
14/02/2021	10:18:40	सिंह	चंद्र	कन्या	03:46:53	19/11/2021
15/02/2027	10:16:06	तुला	मंगल	मीन	15:44:42	20/11/2039
सूर्य 04/06/2021	15:13:45	कर्क व	बुध व	मक	08:33:20	राहु 01/08/2024
चन्द्र 04/12/2021	08:38:41	मेष	गुरु व	मिथु	13:03:11	गुरु 26/12/2026
मंगल 11/04/2022	07:55:46	सिंह	शुक्र	मक	22:30:49	शनि 01/11/2029
राहु 05/03/2023	21:37:40	मेष	शनि व	वृष	14:11:38	बुध 20/05/2032
गुरु 22/12/2023	19:09:31	कर्क	राहु व	मिथु	02:15:38	केतु 08/06/2033
शनि 03/12/2024	19:09:31	मक	केतु व	धनु	02:15:38	शुक्र 08/06/2036
बुध 10/10/2025	21:50:17	मक व	हर्ष	कुंभ	00:13:03	सूर्य 02/05/2037
केतु 15/02/2026	09:24:10	मक व	नेप	मक	14:43:01	चन्द्र 01/11/2038
शुक्र 15/02/2027	14:11:22	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:07:35	मंगल 20/11/2039

लग्न-चलित

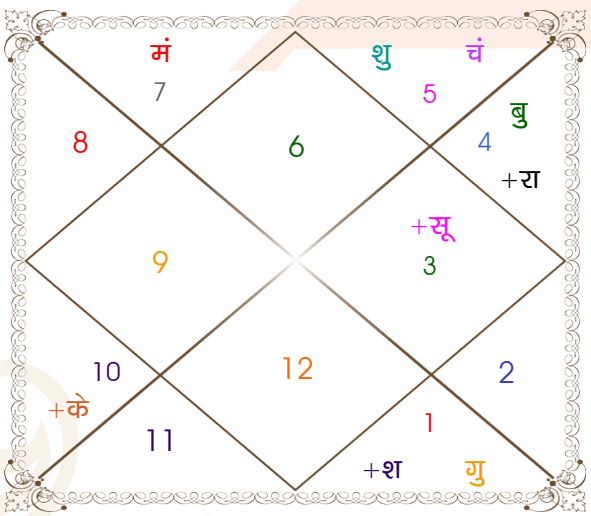

लग्न-चलित

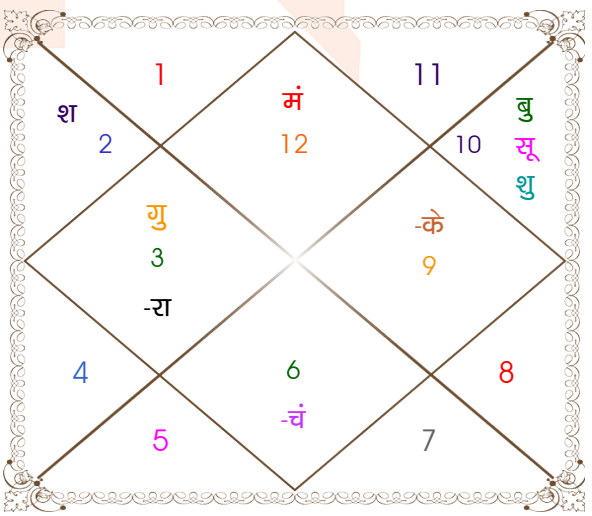

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

M का वर्ग मूषक है तथा F का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार M और F का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

M मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

F मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु M कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

M तथा F में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।